“और उसने हमें बनाया कि हम उसके परमेश्वर और पिता की सेवा
करने वाले राज्य और पुरोहित हों—उसको ही महिमा और सामर्थ्य सदा-सदा के लिए हो! आमीन।”
— प्रकाशितवाक्य 1:6

प्रश्न

प्रकाशितवाक्य 1:6 कहता है कि यीशु मसीह के द्वारा हम परमेश्वर के लिए राज्य और पुरोहित दोनों बनाए गए हैं। लेकिन यह वास्तव में कैसे होता है? इसका अर्थ क्या है, और यह विश्वासियों के जीवन में कैसे दिखता है?

1. मसीह में हमारी पहचान: हम उसी में भागीदार हैं

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि मसीह में हम कौन हैं। जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, तो वह आत्मिक रूप से उससे जुड़ जाता है। यह मिलन हमारी पहचान बदल देता है।

“इस प्रकार प्रेम हमारे बीच पूर्ण हुआ, कि हम न्याय के दिन निडर हों; इस संसार में हम जैसे वह है वैसे हैं।”

— 1 यूहन्ना 4:17

इसका मतलब है कि हम सिर्फ यीशु के अनुयायी नहीं हैं; हम आत्मिक रूप से उसके साथ जुड़े हैं। जो कुछ मसीह के लिए सत्य है, वह अब हमारे लिए भी आत्मिक रूप से सत्य है।

2. जैसे वह परमेश्वर का पुत्र है, वैसे ही हम भी हैं

“आत्मा स्वयं हमारे आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम
परमेश्वर के बच्चे हैं।”
— रोमियों 8:16

क्योंकि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और हम “उसमें हैं,” इसलिए हमें भी परमेश्वर के बच्चे कहा जाता है। यह पुत्रत्व परमेश्वर के परिवार के अधिकार और जिम्मेदारियों में हमारा भाग बनाता है।

3. हम उसके साथ आत्मिक रूप से मरे और जी उठे

“इसलिए हम बपतिस्मा के द्वारा उसके साथ मृत्यु में दफन किए

गए, ताकि जैसे मसीह मृतकों में से उठाया गया… वैसे ही हम भी नया जीवन जी सकें।”
— रोमियों 6:4

“यदि हम मसीह के साथ मरे हैं, तो हम विश्वास करते हैं कि हम उसके साथ भी जीवित रहेंगे।”
— रोमियों 6:8

उद्धार के समय, विश्वासियों को मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के साथ आत्मिक रूप से जोड़ दिया जाता है। बपतिस्मा इसका प्रतीक है और यह हमें एक नई आध्यात्मिक स्थिति देता है।

4. हम मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं

“और परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ उठाया और मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।”
— इफिसियों 2:6

इसका अर्थ है कि हम पहले से ही आध्यात्मिक राज्य और अधिकार में उसके साथ भागीदार हैं। यह पहचान भविष्य के किसी समय के लिए नहीं है—यह अभी सच है।

5. मसीह हमारा मुख्य पुरोहित है—और हम उसके अधीन पुरोहित हैं

यीशु मुख्य पुरोहित के रूप में कार्य करते हैं। हमारे उनसे जुड़ाव के कारण, हम भी उनके पुरोहितीय काम में भागीदार हैं।

“हमारे पास ऐसा मुख्य पुरोहित है, जो स्वर्ग में परमश्रेष्ठ सिंहासन के दाहिने हाथ पर बैठा है।”
— इब्रानियों 8:1

पुराने नियम में, पुरोहित बलिदान चढ़ाते, मध्यस्थता करते और परमेश्वर का वचन सिखाते थे। अब यह सब मसीह में पूरा हुआ और उसके लोगों के लिए खुला।

6. हमारे पुरोहित के रूप में कर्तव्य: मध्यस्थता करना, सिखाना और आध्यात्मिक बलिदान देना

जैसे शमूएल ने कहा:

“मेरे लिए यह दूर की बात हो कि मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना न करूँ और तुम्हें भला और सही मार्ग न सिखाऊँ।”
— 1 शमूएल 12:23

और जैसे मसीह ने कहा:

“…यदि कोई पाप करता है, तो हमारे पास पिता के सामने
अधिवक्ता है—यीशु मसीह, धर्मी।”
— 1 यूहन्ना 2:1

हम भी यही करते हैं:

दूसरों के लिए प्रार्थना करना (याकूब 5:16)
परमेश्वर की सच्चाई सिखाना
और अपने जीवन को जीवित बलिदान के रूप में अर्पित करना (रोमियों 12:1)

7. मेल-मिलाप की सेवा भी हमारी है

“और यह सब परमेश्वर से है, जिसने हमें मसीह के द्वारा अपने साथ मेल-मिलाप करने योग्य बनाया और हमें मेल-मिलाप की सेवा सौंपी।”
“…और उसने हमें मेल-मिलाप का संदेश दिया।”
— 2 कुरिन्थियों 5:18-19

हम पुरोहित हैं क्योंकि हम यह संदेश और सेवा लेकर चलते हैं, लोगों को मसीह के द्वारा परमेश्वर के पास लौटाते हैं।

8. यीशु राजा के राजा हैं—और हम उनके अधीन राजा हैं

“उसके वस्त्र और जंघा पर यह नाम लिखा है: राजा-ओं का राजा और प्रभु-ओं का प्रभु।”
— प्रकाशितवाक्य 19:16

यह तभी संभव है जब उसके अधीन अन्य “राजा” हों—और वे हम हैं, उसके लोग। हम एक राज्य हैं क्योंकि वह हमारा राजा है।

9. हमारे राज्य की पूर्णता मसीह के भविष्य के शासन में दिखाई देगी

“धन्य और पवित्र वे हैं, जो प्रथम पुनरुत्थान में भाग लेते हैं… वे परमेश्वर और मसीह के पुरोहित होंगे और उसके साथ एक हजार वर्ष शासन करेंगे।”
— प्रकाशितवाक्य 20:6

यह मसीह के सहस्राब्दी शासन का संदर्भ है, जब उसके संत उसके साथ शासन करेंगे। लेकिन अभी भी हम ऐसे जीवन जीते हैं जो उसकी सत्ता और शासन को दर्शाते हैं।

मसीह में होने का सम्मान और जिम्मेदारी

जब हम यीशु में विश्वास रखते हैं:

हम परमेश्वर के बच्चे हैं
हम पुरोहित हैं जो मध्यस्थता, शिक्षा और आध्यात्मिक बलिदान देते हैं
हम राज्य का हिस्सा हैं, जिसे मसीह के अधिकार में शासन करने के लिए बुलाया गया है

यह केवल सैद्धांतिक बात नहीं है—यह हमारी वास्तविक पहचान है। हम हर दिन पवित्र आत्मा के बल से इसे जीते हैं और परमेश्वर के राज्य की पूर्णता की प्रतीक्षा करते हैं।

क्या आप मसीह में हैं?

ये आशीषें उन लोगों के लिए हैं जिन्होंने यीशु पर भरोसा किया है। यदि आपने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया, तो जान लें कि हम मसीह की शीघ्र वापसी के समय में हैं।

इंतजार मत कीजिए। आज ही उसके पास आइए।

“उसको ही महिमा और सामर्थ्य सदा-सदा के लिए हो! आमीन।”
— प्रकाशितवाक्य 1:6

प्रभु आपको आशीष दें और समझ दें।
शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp